Issue : XII, Vol. II
VISION RESEARCH REVIEW
IMPACT FACTOR 2. 0048
ISSN 2250-169X
Dec. 2016 To May 2017 13

3

धीरेन्द्र अस्थाना व्यक्तीत्व एवं कृतित्व

अरुण नागोराव मुंडे
हिंदी विभाग,
कै. सौ. शेषाबाई मुडे महाविद्यालय,
गंगाखेड, जि. परभणी (महाराष्ट्र) भारत

डॉ. आर. ए. चौहान
अध्यक्ष, हिंदी विभाग,
बलभीम महाविद्यालय,
बीड, जि.बीड (महाराष्ट्र) भारत

Research Paper - Hindi

प्रस्तावना :

हिन्दी जगत में जिन युवा कथाकारों ने अपनी कहानी - कला के द्वारा साहित्य के महाधिशों की अपनी मौजूदगी का अहसास कराया, उनमें सें एक हैं धीरेन्द्र अस्थाना। एक आलोचक के शब्दों में धीरेंन्द्र अस्थाना वाकई धनी आदमी हैं। "भावों के धनी, सम्वेदनाओं के धनी, भाषा कें, विचार कें, अभित्यात्मि के धनी। कलम के धनी, संघर्षो के धनी सफलता के धनी। गहन दु:खों, सधन सुखों के धनी। यश के, लोकप्रियता के धनी। प्रतिष्ठा - मान - सम्मान - पुरस्कारों के धनी। अच्छी जीवन - संगिनी के धनी, बढिया संतानों के धनी, शानदार आत्मीयों, जानदार दोस्तों के धनी। ..... कल्पनाशीलता का धन है ही धीरेन्द्र के पास, यथार्थ के कटु अनुभवों का जो धन है, उपब्धियों की मधुर प्राप्तियों का जो धन है, भयानक दु:खों और मोहक सुखों से गुजर कर हासिल हुए जीवन की सच्चाई के अनमोल खजाने का जो धन है, धीरेन्द्र के पास और उस धन के उचित तथा रचनात्मक इस्तेमाल के विवेक का जो धन है उनके पास शायद ही किसी के पास हो।"

जन्म एवं जन्मस्थान :

२५ दिसम्बर सन् १८५६ में मेरठ शहर में धीरेन्द्र जी का जन्म हुआ। जन्म के पूर्व क्रोध में आकर उनकी माताजी ने मरने के हेतु छत से छलांग लगायी और जीवनभर अपाहिज बन बैठी। हादसे के बाद धीरेन्द्र जी का जन्म हुआ।

Scanned by CamScanner